<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड– 2/6/1, 2/6/2, 2/6/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें। एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series ZW6YX प्रश्न-पत्र कोड 2/6/1, 2/6/2, 2/6/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/6/1	2/6/2	2/6/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(C) तकनीक के जाल में	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) केवल कथन I और IV सही हैं।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• ज्ञान-विज्ञान और मनोरंजन का साधन • सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम	½ +½
	(v)	(v)	(v)	• एकाग्रता और बालसुलभ रचनात्मकता का खो जाना • शारीरिक गतिविधियाँ घटने के कारण मोटापा, आलस्य और अनिद्रा जैसी समस्याओं का बढ़ना	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• बच्चों से नियमित संवाद करना • घर का माहौल बदलना • स्वयं भी स्मार्टफोन की चकाचौंध से दूर रहना • बच्चों को संयम के साथ सहज जीवन की ओर मोड़ना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• 13 वर्ष की आयु तक के बच्चों को स्मार्टफोन का प्रयोग न करने देना • सोशल मीडिया के मंचों के प्रयोग पर 18 वर्ष की आयु तक पूरी तरह रोक	2
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(D) केवल कथन III और IV सही हैं।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) मज़दूरों के दैनिक जीवन की आवश्यकताओं में काम आना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) कम दाम में गुणवत्तापूर्ण वस्तु खरीदना	1

	(iv)	(iv)	(iv)	• तीन ईंटों से चूल्हा बनाकर और एक ईंट से थके सिर को सहारा देकर	1
	(v)	(v)	(v)	• बक्सों और अलमारियों के टूटे पायों को थामने और सीलन से बचाने के लिए • बच्चों द्वारा ऊँची जगहों तक पहुँच बनाने के लिए	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• रूपाकार की समानता के कारण • एक-दूसरे के पूरक रूप के कारण	2
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	3	3	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1= 6
4	**4**	**4**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	(i)	(i)	• एंकर द्वारा खबर के बारे में दर्शकों को सीधे-सीधे बताना कि कहाँ, क्या, कब और कैसे हुआ • दृश्य न आने तक रिपोर्टर से मिली जानकारी पर आधारित सूचनाएँ दर्शकों तक पहुँचाना	2
	(ii)	(ii)	(ii)	• पाठकों द्वारा अपनी राय व्यक्त करना • मुद्दों और समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करना • नए लेखकों के लिए लेखन का अवसर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

	(iii)	(iii)	(iii)	आशय- • मौलिक शोध और छानबीन के द्वारा किसी भी घटना, समस्या या मुद्दों से जुड़ी ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाना, जो पहले से उपलब्ध न हों उपयोग- • सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों के बीच चल रही अनियमितताओं, गड़बड़ियों को उजागर करने में	1+1
	(iv)	(iv)	(iv)	• कहानी – केवल लेखक और पाठक से सीधे जुड़ाव नाटक - लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता तथा अन्य से भी जुड़ाव • कहानी में केवल कहने, पढ़ने की सुविधा नाटक में मंचन की सुविधा भी	2
	(v)	(v)	(v)	• मौलिक विचारों को प्रस्तुत करने की आदत विकसित न हो पाना • दूसरों पर निर्भर हो जाना • अभ्यास या रियाज़ का अवसर न मिलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
5	**5**	5	5	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	-	-	• साफ-सुथरी और टंकित कॉपी, जिसे वाचक/वाचिका बिना किसी बाधा के पढ़ सकें • डबल स्पेस में लिखा जाना • कठिन और लंबे शब्दों का प्रयोग वर्जित • एक से 10 तक के अंकों को शब्दों में, 11 से 999 तक अंकों में तथा उससे आगे शब्दों में लिखना • संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii)	-	-	पत्रकारीय लेखन - • समाचार पत्र-पत्रिकाओं द्वारा पाठकों तक सूचनाएँ पहुँचाने हेतु लेखन • पाठकों को जागरूक करने और उनके मनोरंजन के उद्देश्य से किए गए विभिन्न प्रकार के लेखन	1+3

				(कोई एक बिंदु अपेक्षित) पत्रकारों के प्रकार – तीन ● पूर्णकालिक – नियमित वेतनभोगी ● अंशकालिक – निश्चित मानदेय ● फ्रीलासंर (स्वतंत्र पत्रकार) – भुगतान के आधार पर	
	(iii)	-	-	अंतर- ● बीट रिपोर्टिंग- ज्ञान एवं रुचि के आधार पर संवाददाताओं के बीच काम का बँटवारा ● विशेषीकृत रिपोर्टिंग – सामान्य खबरों से आगे बढ़कर विशेषता आधारित रिपोर्टिंग, मुद्दों और समस्याओं का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतिकरण, घटना के पीछे के कारण और उसके प्रभाव का वर्णन उदाहरण - ● सोने की माँग में भारी गिरावट आने पर बीट रिपोर्टर द्वारा उसकी एक तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करना, जबकि विशेषीकृत रिपोर्टर द्वारा गिरावट के कारणों और बाज़ार पर पड़ने वाले प्रभावों को भी स्पष्ट करना	2+2
	-	(i)	-	महत्त्व- ● प्रभावी दृश्य-श्रव्य माध्यम ● सजीव दृश्यों के माध्यम से समाचारों में जीवंतता का अहसास खूबियाँ - ● सीधी और पुष्ट ख़बर दर्शकों को दिखाया जाना ● ब्रेकिंग न्यूज़ को तत्काल दर्शकों तक पहुँचाया जाना ● कम शब्दों में अधिक दिखाया जाना आदि खामियाँ - ● महँगा साधन ● बिजली तथा अन्य साधनों पर निर्भरता ● निश्चित स्थान पर ही उपलब्ध आदि	1+ 1½+ 1½

	-	(ii)	-	अभिप्राय- ● अख़बारों में संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय, लेख, आलेख और टिप्पणियाँ सामग्री- ● संपादकीय, स्तंभ लेखन, संपादक के नाम पत्र, आलेख, फ़ीचर, साक्षात्कार आदि संक्षिप्त परिचय- (परीक्षार्थी द्वारा किन्हीं दो का संक्षिप्त परिचय अपेक्षित)	1+1+2
	-	(iii)	-	● अधिकतर लोगों की खेलों में रुचि ● खेल व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा का वाहक ● जीवन में व्यस्तता के बावजूद खेलों में दिलचस्पी बने रहना ● वर्तमान समय में अपराध या घोटालों से जुड़े समाचारों के बीच, खेल स्वस्थ और ताज़गी प्रदान करने में सहायक ● वर्तमान समय में खिलाड़ियों और पत्रकारों के लिए खेल जगत में भविष्य की असीम संभावनाएँ ● खेलों के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना का विकास (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	-	-	(i)	इंटरनेट पत्रकारिता - ● डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समाचार पत्रों का प्रकाशन तथा समाचारों का आदान-प्रदान स्वरुप – ● चौबीसों घंटे वैश्विक उपलब्धता के साथ अपडेशन की सुविधा इतिहास- ● तीन दौर – प्रथम (1982 – 92), द्वितीय (1993 – 2001) और तृतीय (2002 से अब तक) ● भारत में इंटरनेट का आरम्भ 1993 में ● भारत में प्रथम विशुद्ध इंटरनेट पत्रकारिता – तहलका डॉट कॉम (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1+2

	-	-	(ii)	कैसे- ● उल्टा पिरामिड शैली में ● छह ककार - क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे और क्यों के उत्तर समाहित महत्त्वपूर्ण बातें- ● सामान्य बोलचाल के शब्दों के साथ भाषा सरल और स्पष्ट ● छोटे वाक्यों का प्रयोग ● अनावश्यक दोहराव एवं द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग वर्जित ● भ्रामक तथ्यों के प्रयोग से बचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
	-	-	(iii)	● जीवन का मूल आधार ● आर्थिक जगत के उतार-चढ़ाव के बारे में जानकारी और विश्लेषण ● विशेष पाठकों के साथ ही जन-सामान्य को भी आर्थिक शब्दावली से परिचित करवाना (कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	**6**	**6**	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(D) बच्चों की कोमलता के लिए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) बेसुध होकर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) चंचलता	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(v)	(v)	(v)	(B) बच्चों के रोमांचित शरीर का संगीत	1
7	7	7	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =6)
	(i)	-	-	● संसार से कवि का संबंध खट्टा-मीठा ● संसार का स्वार्थी लगना ● जीवन पर जग का बहुत भार होने पर भी विचलित न होकर अपने जीवन में असीम प्यार लिए घूमना	3

				• हृदयहीन और अपूर्ण लगने पर भी संसार को मस्ती का संदेश देने की चाह (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	
	(ii)	-	-	• कविता का भावों, विचारों और शब्दों से तथा बच्चों का विभिन्न उपकरणों से खेलना • कविता में कल्पना की असीमित उड़ान, बच्चों के सपनों की भी सीमा न होना • कविता में अर्थ की व्यापक संभावनाएँ, बच्चों के खेल में उमंग, उत्साह, भविष्य, विकास की असीम संभावनाएँ • दोनों ही अपने-पराए, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब की भावना से रहित (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(iii)	-	-	तत्कालीन सामाजिक और आर्थिक स्थिति- • जातिगत विषमता • नैतिक मूल्यों का ह्रास • अमीर और ग़रीब के बीच गहरी खाई • भुखमरी और बेरोजगारी (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) वर्तमान में सुधार के प्रयास - • संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों के माध्यम से सामाजिक विषमताओं को समाप्त करने का प्रयास • विविध कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बेरोजगारी, भुखमरी जैसी समस्याओं के निवारण का प्रयास • स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार के प्रयास आदि	1½+ 1½
	-	(i)	-	क्यों- • पांडित्य प्रदर्शित करने के चक्कर में दुष्परिणाम- • जनसामान्य की समझ में न आना • कथ्य का प्रभावहीन हो जाना • शब्दों के आडंबरपूर्ण जाल में उलझ कर रह जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2

	-	(ii)	-	• शीतल वाणी - विनम्रता, मृदुता, सौम्यता • आग लिए फिरना- आक्रोश, असंतोष, विद्रोह दोनों का एक साथ आना ही विरोधाभास का परिचायक	1½+ 1½
	-	(iii)	-	दीवाली – • घर आँगन सजे-धजे, साफ-सुथरे चीनी मिट्टी के सुंदर जगमगाते दीयों और खिलौनों से अत्यंत मनोहारी लगना • बच्चे की प्रसन्नता और उत्साह देखकर माँ के चेहरे का दमकना राखी- • घटाओं में चमकती बिजली के समान भाई की कलाई पर राखी के लच्छों का चमकना • आसमान में हल्की-हल्की घटाओं का छाना	1½+ 1½
	-	-	(i)	आशय – • अपनों से मिलने की आकांक्षा, उत्कंठा, उनके संग-साथ का, जीवन को गति, सार्थकता और जीवंतता प्रदान करना पुष्टि- • संध्या होते ही प्रतीक्षारत बच्चों से मिलने हेतु चिड़िया के पंखों में चंचलता आना • एकाकी होने के कारण कवि की गति में शिथिलता	1+2
	-	-	(ii)	• चिड़िया और कविता दोनों का उड़ान भरना • चिड़िया का पंखों के सहारे उड़ान भरना, कविता कल्पनाओं और भावनाओं की उड़ान • चिड़िया की उड़ान सीमित, कविता में कल्पना की उड़ान असीमित	3
	-	-	(iii)	• व्यक्ति-विशेष की पीड़ा को व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु लोगों तक पहुँचाने को अवसर मानना • कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संवेदनहीन होना • व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा में पत्रकारिता के सामाजिक दायित्वों की अवहेलना	1+2

8	8	8	8	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	• अंधड़ -भावनात्मक आँधी • बीज - रचना, विचार और अभिव्यक्ति	**1+1**
	(ii)	(ii)	(ii)	• शंख के समान आकाश की नीलिमा • राख से लीपे गीले चौके के समान • लाल केसर से धुली सिल जैसा • लाल खड़िया चाक से मली स्लेट • नीले जल में गौर वर्ण-सी झिलमिलाती देह (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	(iii)	क्यों- • नवजीवन की आशा में, समाज में क्रांति लाने के लिए कैसे- • उत्साह और उमंग के साथ खिलखिलाकर हाथ हिलाते हुए	1+1
9	9	9	9	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(A) जिसे अपनी जरूरतों का पता हो।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) धन के मद में अनावश्यक खरीददारी करने वालों को	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) पर्चेजिंग पावर का गर्व बाज़ार को विनाशक शक्ति देता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) छल-कपट	1
	(v)	(v)	(v)	(D) ग्राहक और बेचक दोनों बाज़ार से सच्चा लाभ उठाते हैं।	1
10	**1**0	10	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 **=6**)
	(i)	(i)	(i)	• छूत-पाक पर प्राण देने वाले, बात-बात पर भूखे मरने वाले लोगों का स्मरण करके • भक्तिन की शंकाकुल दृष्टि में छिपे हुए निषेध का अनुभव करके • भक्तिन की भावनाओं का मान रखने के लिए	3

	(ii)	(ii)	(ii)	कैसे- ● वर्तमान समय में चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति ● नवीनतम तकनीक की मदद से बीमारी के लक्षणों को पहचानकर उसका इलाज ● टीकाकरण ● नि:शुल्क इलाज की सुविधा (कोई दो बिंदु अपेक्षित) उदाहरण - कोरोना महामारी (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+1
	(iii)	(iii)	(iii)	● बाह्य परिवर्तनों के बीच भी अविचलित बने रहना ● विपरीत परिस्थितियों के बीच भी सरस बने रहना ● कोमल और कठोर, दोनों भावों का एक साथ निर्वहन	3
11	11	11	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	क्यों- ● उद्योग-धंधे, तकनीकी विकास और सम-सामयिक परिवर्तन के कारण दुष्परिणाम- ● व्यक्तिगत रुचि और योग्यता के विरुद्ध किसी पेशे को अपनाने की बाध्यता ● बेरोजगारी व भुखमरी की स्थिति (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(ii)	(ii)	(ii)	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2
	(iii)	(iii)	(iii)	● बाज़ारवाद को बढ़ावा देने के कारण ● कपट के बढ़ने और परस्पर सद्भाव घटने के कारण ● एक की हानि में दूसरे का लाभ देखने के कारण आदि (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	कारण- ● पारिवारिक मूल्यों में बदलाव ● संयुक्त परिवारों का टूटना ● पश्चिमी और आधुनिक संस्कृति के प्रति बढ़ता मोह ● उपभोक्तावादी दृष्टिकोण ● सूचना तकनीकी और मशीनीकरण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) कैसे- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	(ii)	-	-	क्यों- ● दिन-रात कठोर परिश्रम करने के बाद भी कृषि-कार्य में आमदनी का कम और अनिश्चित होना ● अच्छा, सुखपूर्ण जीवन जीने की चाह (सहमति अथवा असहमति के लिए परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	(iii)	-	-	● नगर, भवन निर्माण एवं वास्तुकला का अनूठा उदाहरण ● सीधी या आड़ी सड़कें, सभा भवन, प्रशासनिक इमारतें, ज्ञानशाला, कोठार आदि का मिलना ● मुख्य सड़क पर घर के दरवाजे न खुलना ● सभी घरों का व्यवस्थित होना ● अधिकांश घरों का आकार तीस गुणा तीस फुट का ● पकी हुई ईंटों का प्रयोग ● जल-संग्रहण की उचित व्यवस्था ● जल-निकासी का उत्तम प्रबंध आदि (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5

	-	(i)	-	क्यों- • यशोधर बाबू के आदर्श • उनके व्यक्तित्त्व निर्माण में प्रभावी भूमिका • परिवार से असंतुष्ट और असहज (कोई दो बिंदु अपेक्षित) सामर्थ्य अथवा कमजोरी - (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	-	(ii)	-	• आमदनी का कम और अनिश्चित होना • सुख-सुविधापूर्ण आधुनिक जीवन-शैली जीने की चाह • समाज में मान-सम्मान और पहचान की चाह (समीक्षा हेतु उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	(iii)	-	• प्रदर्शित सामान- संपन्नता की झलक • काले पड़े गेहूँ, पत्थर के औजार, बैलगाड़ी के साक्ष्य- खेतीहर सभ्यता का प्रमाण • कंघी, कंगन, माला आदि - जीवन-शैली एवं सौंदर्य-प्रियता का परिचायक • चित्रों से अंकित मिट्टी के बर्तन - कला-प्रियता का बोधक • खिलौने, चौपड़ की गोटियाँ - खेल-प्रियता का संकेत • हथियारों का न होना - शांतिप्रिय स्वयं अनुशासित सभ्यता का प्रतीक (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(i)	यशोधर बाबू का व्यक्तित्त्व- • समय के पाबंद, परोपकारी प्रवृत्ति, परंपरा एवं संस्कारों से लगाव, सीमित साधनों में जीवन-यापन के हिमायती • आधुनिकता से परहेज, स्त्री के पश्चिमी पहनावे के संबंध में संकीर्ण सोच, बच्चों के विचारों से तालमेल का अभाव (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	-	(ii)	• पढ़ाई के साथ-साथ खेती-बाड़ी का काम भी करना • व्यक्तित्व निर्माण और बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा के महत्त्व को समझना	5

	-	-	(iii)	• समय के अनुकूल चलने की इच्छा • सुख-सुविधापूर्ण जीवन की चाह • खेती-बाड़ी में आमदनी कम और अनिश्चित वर्णन- • आकार छोटा, कस्बाई स्कूल की इमारत के समान • प्रदर्शित सामान जैसे - काले पड़े गेहूँ, पत्थर के औजार किंतु हथियारों नहीं, बैलगाड़ी के साक्ष्य, कंघी, कंगन, माला, चित्रों से अंकित मिट्टी के बर्तन, खिलौने, चौपड़ की गोटियाँ आदि सिंधु सभ्यता की झलक कदम – • विभिन्न माध्यमों द्वारा विज्ञापन एवं जन-सामान्य में जिज्ञासा उत्पन्न करना • पुरातत्त्वविदों, वैज्ञानिकों, इतिहासकारों एवं विशेषज्ञों की सहायता से संरक्षण • उपलब्ध सामान की सुरक्षा के लिए उचित प्रबंध आदि	2+3